उत्तर 1. (a)

अभिरुचि से आशय व्यक्ति के ज्ञान, कौशल एवं बुद्धिमत्ता के स्तर से है।

अभिरुचि को और अच्छे से परिभाषित करें।

अभिरुचि
- रुचि
- कौशल
- बुद्धिमत्ता

अभिरुचि एवं रुचि -

- अभिरुचि का निर्धारण रुचि के आधार पर होता है।
- रुचि में परिवर्तन द्वारा अभिरुचि में परिवर्तन संभव है।

Eg. किसी कार्य को पूर्ण करने की क्षमता अभिरुचि है जबकि कार्य पूर्ण करने में व्यक्ति की पसन्द अथवा नापसन्द रुचि है।

अभिरुचि एवं कौशल -

- कौशल के आधार पर कार्य की पूर्णता में / तरीके में परिवर्तन संभव है।

- कौशल, अनुभव | ज्ञान | शिक्षा द्वारा प्राप्त किया जा सकता है।

Eg. स्वच्छ भारत मिशन के तहत लोगों को अनुनय-विनय की दक्षता होना कौशल है जबकि इस कार्य को पूर्ण करने की क्षमता अभिरुचि है।

अतः में अंत: स्पष्टता ले आ सकते है

अभिरुचि एवं बुद्धिमत्ता –

3/10

- बुद्धिमत्ता से किसी कार्य के पूर्ण होने की संभावना अथवा कार्य पर लोगों का नकारात्मक प्रभाव कम किया जा सकता है।

Eg. पुनर्वास कार्यक्रम के दौरान बुद्धिमत्ता से लोगों का पुनर्वास करना

अतः स्पष्ट है कि अभिरुचि एवं रुचि, कौशल, बुद्धिमत्ता एक तरफ भिन्न-भिन्न है, तो दूसरी ओर कार्य की गुणवत्ता पूर्ण समाप्ति के लिये एक दूसरे के पूरक भी हैं।

→ आपकी विषय वस्तु की समझ ठीक-ठाक है

→ उत्तर भी ठीक है।

→ प्रयास ठीक है

→ निरंतर अभ्यास से उत्तर प्रभावी बनाएं।

प्रश्न संख्या (Question No.)

U.P.S.C.

इस भाग में कुछ न लिखें (Don't write anything in this part)

उत्तर 1(b) अभिवृत्ति – किसी विशेष परिस्थिति में व्यक्ति की मानसिक दशा की स्थिति है।

Eg. – साम्प्रदायिक हमले अथवा दंगे के दौरान व्यक्ति की मानसिक दशा

अभिरुचि – किसी परिस्थिति अथवा कार्य को पूर्ण कर सकने की व्यक्ति की क्षमता अभिरुचि कहलाती है।

Eg. – साम्प्रदायिक दंगों को रोक सकने का कौशल

कार्य को करने के लिए — निर्णय के आधार पर ही उस कार्य की पूर्णता होती है।

अभिवृत्ति
- सकारात्मक → परिणाम उचित
- नकारात्मक → परिणाम अनुचित

Eg. COVID-19 के दौरान IAS राजेन्द्र भारुड ने नंदुरबार में COVID से बचने के लिए अस्पतालों में बेड व ऑक्सीजन की उचित व्यवस्था पहले से सुनिश्चित की → सकारात्मक अभिवृत्ति

(Examiner's remarks in red:) [illegible] — और स्पष्टता से बताएं। — अभिवृत्ति एवं अभिरुचि में अन्तर स्पष्ट करें।

प्रश्न संख्या (Question No.)

U.P.S.C.

इस भाग में न लिखें (Don't write anything in this part)

अभिवृत्ति व्यक्ति की व्यवहारात्मक प्रक्रिया होती है जिसका प्रभाव समाज एवं अन्य व्यक्तियों पर पड़ता है।

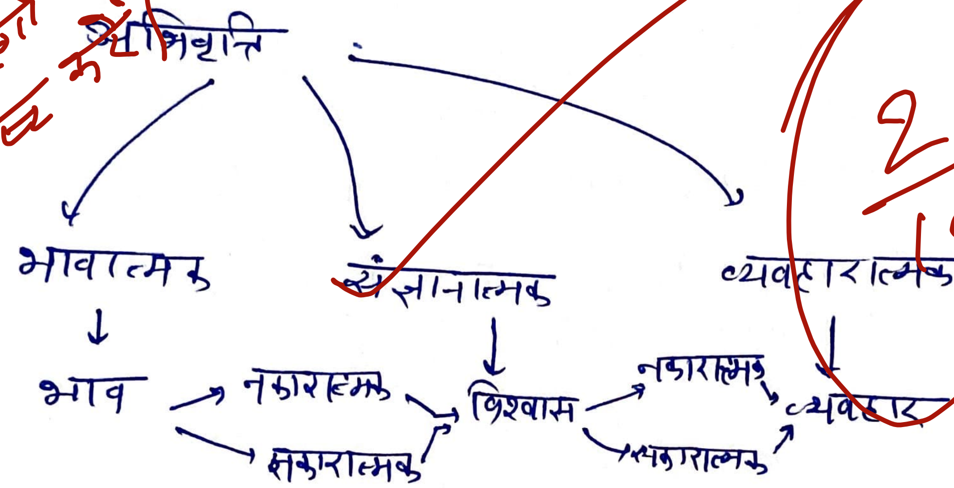

उपर्युक्त उदाहरण एवं विश्लेषण यह सिद्ध करते हैं कि व्यक्ति जैसा व्यवहार करता है उसी से उसके बारे में विश्वास, भाव एवं सूचनाओं का निर्धारण होता है। यही उसका कद निर्धारित करती है।

सामान्य परिचय। अभिवृत्ति के महत्व को उदाहरणों से स्पष्ट करें

2/10

निष्कर्ष ठीक बनाएं

विषय का परिचय ठीक है परन्तु उत्तर में प्रश्न की मांग के अनुरूप ही लिखने का प्रयास करें।

प्रश्न संख्या (Question No.)

U.P.S.C.

इस भाग में कुछ न लिखें (Don't write anything in this part)

उत्तर 2. (a)

नीति संहिता -

यह व्यक्ति के आन्तरिक गुणों का सिद्धान्त है। ये वह गुण है जिनके बारे में व्यक्ति से अपेक्षा की जाती है। इसी से सेवा की पूर्णता, सेवा की समयबद्धता एवं सेवा की गुणवत्ता निर्धारित होती है।

महत्व एवं प्रासंगिकता → नैतिक दुविधा का उचित निर्णय

- नागरिक-केन्द्रित कार्य करने को उन्मुख Eg. प्रशान्त नायर, IAS द्वारा ऑपरेशन सुलेमानी - गरीबों को मुफ्त भोजन
- भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने में आसानी Eg.- अपनी व सगे-सम्बन्धियों की पूँजी को बताना।
- संविधान के आदर्शों की श्रेष्ठता स्थापित Eg.- न्याय, समानता सुनिश्चित
- तीव्र निर्णय लेने में आसानी Eg. - आपातकालीन परिस्थितियों में पुनर्वास
- संसाधनों के समुचित वितरण में सहायता Eg. वंचित व कमजोर वर्ग के प्रति करुणा का भाव

संक्षेप में आचार संहिता एवं नीति संहिता के अंतर को बतायें

आचार संहिता एवं नीति संहिता में अंतर स्पष्ट करें।

प्रश्न संख्या (Question No.)

U.P.S.C.

इस भाग में कुछ न लिखें (Don't write anything in this part)

आचार संहिता - आचार संहिता उन गुणों का संग्रह है जिन्हें आचरण में लाने की अपेक्षा किसी भी व्यक्ति - सिविल सेवक, नेता, न्यायाधीश से की जाती है।

महत्व एवं प्रासंगिकता :-

- किसी महँगे पुरस्कार को स्वीकार ना करना eg. सगे-सम्बन्धी अथवा कार्य करवाने के बदले गाड़ी, बंगला की पेशकश
- दहेज को विरोध करना Eg. IAS रिया डाबी द्वारा कोर्ट में शादी करना
- नागरिकों के प्रति करुणा का भाव - Eg. दांतेवाड़ा के कलेक्टर द्वारा 'Lunch with collector' अभियान
- अधीनस्थों के प्रति प्रेम, सौहार्द्र रखना

अतः आचार संहिता व नीति संहिता भिन्न है किन्तु एक विकासशील देश से विकसित देश में परिवर्तित होने के लिए हमें दोनों पर समान भार देना आवश्यक है।

स्पष्टता
महत्व एवं प्रासंगिकता
2. का
विषय की समझ
और बेहतर
उत्तर की अपेक्षा
अंक
2/10
2. के आधार
शब्दों में लिखें।

प्रश्न संख्या (Question No.)

U.P.S.C.

इस भाग में कुछ न लिखें (Don't write anything in this part)

उत्तर 2 (b)

अनामिकता - भारतीय लोक सेवा में किसी लोक सेवक द्वारा किये गये कार्यों के प्रति व्यक्ति की सेवा भावना ही महत्वपूर्ण है ना कि उसका नाम।

और निष्पक्षता से सम्बन्धित

अनामिकता के लाभ -

- कार्य के होने अथवा ना होने पर भी व्यक्ति के प्रति विश्वास
- आत्म-संतुष्टि एवं केवल कार्य पर ध्यान देना ना कि परिणाम पर - गीता का निष्काम कर्म
- नाम के साथ व्यक्ति मे द्वन्द्व की स्थिति आती है Eg. किसी कार्य मे नाम होने पर वह उसे स्वयं के Ego से सम्बन्धित मान लेता है।

अनामिकता की हानि -

- कार्य दक्षता में कमी
- कार्य के प्रति जवाबदेहिता नही
- कार्य की गुणवत्ता में कमी
- समयबद्धता का अभाव
- प्रोत्साहन नही

अनामिकता एक ओर जहाँ श्रेष्ठ है वहीं कुछ क्षेत्रों में सिविल सेवक का नाम भी आवश्यक है।

प्रश्न संख्या (Question No.)

U.P.S.C.

इस भाग में न लिखें (Don't write anything in this part)

निष्पक्षता - निष्पक्षता से आशय उपलब्ध आँकड़ों, तथ्यों के आधार पर निर्णय लेना ना कि व्यक्तिनिष्ठ होकर।

निष्पक्षता के लाभ :-

- सतत एवं समावेशी विकास
  Eg. क्रिकेट में अम्पायर
- प्रत्येक वर्ग को अपने अधिकारों की प्राप्ति
  Eg. जैसलमेर (RJ) में आप्रवासियों के मानवाधिकार की सुनिश्चितता
- भ्रष्टाचार में कमी एवं जवाबदेहिता व उत्तरदायित्व में वृद्धि
  Eg. RTI, सिटीजन चार्टर व ई-गवर्नेंस

निष्पक्षता की हानि -

सिविल सेवकों को निष्पक्ष होकर नैतिकता, सिविल सेवा नियमों के अनुसार कार्य करना चाहिए। इसके विरुद्ध उन्हें कई बार जीवन का जोखिम (Eg. IPS नरेन्द्र कुमार) भी उठाना पड़ता है किन्तु अन्त भला तो सब भला।

उदाहरण और सटीक एवं अच्छा है।

3.5/10

→ आपकी विषय वस्तु की समझ अच्छी है।
→ उत्तर उत्तम है।
→ प्रयास ठीक है।
→ निरंतर अभ्यास से उत्तर प्रभावी बनाएं।

निष्कर्ष ?

प्रश्न संख्या (Question No.)	U.P.S.C.	इस भाग में कुछ न लिखें (Don't write anything in this part)

उत्तर 3. (a)

अभिवृत्ति से आशय किसी विशेष परिस्थिति में व्यक्ति की मानसिक मनोदशा से है।

अभिवृत्ति में परिवर्तन से परिस्थितियों में परिवर्तन -

1) दिये गये कार्यों का उचित क्रियान्वयन — व्यक्ति की अभिवृत्ति ही निर्धारित करती है कि वह अपने उत्तरदायित्व एवं कर्तव्यों की पूर्ति किस तरह करता है। यदि वह कर्तव्यों की पूर्ति सदाचार एवं सकारात्मक तरीके से करता है तो परिस्थितियाँ उचित एवं अनुकूल हो सकती हैं।

2) समयबद्धता → कार्यों को समय पर पूरा करने की दृढ़ता (Eg. मेट्रोमैन ई. श्रीधरन द्वारा दिल्ली मेट्रो का समय से पूर्व निर्माण)

↓

लोगों के विश्वास में वृद्धि

↓

अधिक दक्षता से कार्य कर सकने में समर्थ

कामगार शिकायत आदि से परिणामकारी बनें।

प्रश्न संख्या
(Question No.)

U.P.S.C.

इस भाग में कुछ न लिखें
(Don't write anything in this part)

3) सकारात्मकता → कार्य को पूरा करने की योग्यता में वृद्धि
↓
गुणवत्तापूर्ण कार्य
↓
लोगों द्वारा सराहना
↓
परिस्थितियों में परिवर्तन

eg. स्वच्छ भारत मिशन के दौरान दरवाजा बंद अभियान

4) पूर्वाग्रह का निवारण → किसी के प्रति पहले से कोई सोच विकसित करना
↓
कार्य करने में विभेद व दुविधा की स्थिति
↓
अभिवृत्ति में सुधार
↓
अतः कार्य की पूर्णता

अभिवृत्ति में समय के साथ परिवर्तन सम्भव है जिससे परिणामस्वरूप परिस्थितियाँ एवं परिणाम दोनों बदल सकते हैं।

→ आपकी विषय वस्तु की समझ अच्छी है।
→ प्रस्तुतीकरण ठीक है।
→ उत्तर ठीक है।
→ प्रयास ठीक है।
→ निरंतर अभ्यास से उत्तर प्रभावी बनाएं।

5.5/10

उत्तर 3. (b)

ज्ञान - व्यक्ति में उपस्थित शिक्षा एवं कौशल का स्तर

सत्यनिष्ठा - व्यक्ति की सत्य के प्रति निष्ठा या कि किसी व्यक्ति के प्रति।

ज्ञान के बिना सत्यनिष्ठा -

मध्य भारत में मो. बिन तुगलक द्वारा अपनी प्रजा के विकास एवं जीवन स्तर में परिवर्तन के लिए अनेक प्रकार के नवाचार किये गये -

- राजधानी परिवर्तन
- नवीन मुद्रा का निर्माण आदि

इन सबके पीछे उसकी सत्यनिष्ठा जगजाहिर है किन्तु फिर भी उसे परिणामों में सफलता नहीं मिली क्योंकि इन्हें क्रियान्वित करने के लिए ज्ञान उसके पास नहीं था। जिससे प्रजा ने विद्रोह कर दिया है। उसकी मृत्यु पर -

'राजा को प्रजा से एवं प्रजा को राजा से मुक्ति मिल गयी।'

अपनी इस व्याख्या से यह स्पष्ट है कि ज्ञान के बिना सत्य के प्रति समर्पण कमजोर एवं व्यर्थ ही रहेगा।

सत्यनिष्ठा के बिना ज्ञान -

- ओसामा बिन लादेन एक सुशिक्षित व्यक्ति था जिसने इंजीनियरिंग में अपनी शिक्षा प्राप्त की।

विकल्प → देशहित में योगदान → विकास
→ शिक्षा का अनुचित कार्यों में उपयोग
↓
विध्वंश, विनाश, हिंसा

- हिटलर द्वारा यहूदियों पर किया गया अत्याचार सर्वविदित है।
↓
विश्व में हिटलर के प्रति नापसंदगी
↓
नकारात्मक उदाहरण के रूप में उपयोग

अतः ज्ञान एवं सत्यनिष्ठा जहाँ साथ-साथ चलते हैं वहीं राष्ट्र प्रगति करता है एवं वहीं खुशियों का निवास होता है।

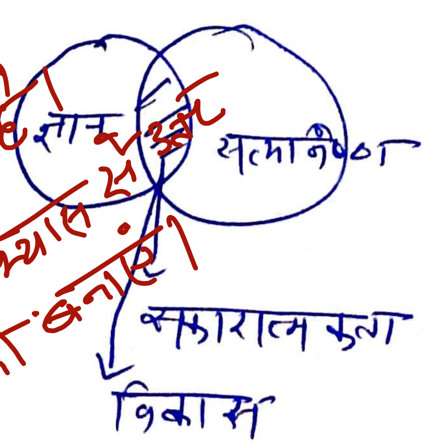

4/10

→ आपकी विषय की समझ अच्छी है
→ उत्तर भी ठीक लिखा है।
→ प्रयास ठीक था पर उत्तर
→ निरंतर अभ्यास से प्रभावी बनायें।

प्रश्न संख्या (Question No.)	U.P.S.C.	इस भाग में कुछ न लिखें (Don't write anything in this part)

उत्तर 3 (c)

स्वामी विवेकानंद का यह मानना था कि व्यक्ति की भावना सही होने पर वह सही कृत्य करेगा जबकि भावना की जगह दुर्भावना की स्थिति में वह अनैतिक व गलत कृत्य करेगा।

भावना सही होना -

- महात्मा गाँधी द्वारा स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान किये गये प्रयास नैतिक एवं अन्त: भावना से युक्त थे अत: भारत को स्वतंत्रता प्राप्ति मे मदद मिली एवं करोड़ो भारतीयों को संकट से मुक्ति।
- डॉ. अम्बेडकर द्वारा महिलाओं एवं दलितों के उत्थान के लिए किए गए प्रयासों के पीछे उनकी सद्भावना ही थी जिसके कारण भारत की आधी आबादी को उनके अधिकार मिले।
- डॉ. कलाम के मिसाइल कार्यक्रम हों, शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता हो अथवा लोगों में उनकी चमक, सभी उनकी लोगों के प्रति सद्भावना से प्रेरित है।

जीवन के विभिन्न पहलुओं में इस भावना के महत्व
- सामाजिक आर्थिक
- आर्थिक विकास
- संबंध एवं प्रशासन
- लचीलापन

उदाहरण स्पष्ट करें।

प्रश्न संख्या (Question No.)

U.P.S.C.

इस भाग में कुछ न लिखें (Don't write anything in this part)

भावना गलत होना -

1) मो. अली जिन्ना ने स्वतंत्रता आन्दोलन में गांधीजी के साथ अनेक वर्षों तक कार्य किया। उन्हें हिन्दु-मुस्लिम एकता का एम्बेसडर (सरोजनी नायडु) भी कहा गया किन्तु अन्त में दुर्भावना से ग्रस्त होने की वजह से भारत दो राष्ट्रों में विभक्त हो गया।

2) औरंगजेब द्वारा किए गए उत्पीड़न भी दुर्भावना का शिकार थे। हिन्दु-मुस्लिम में विभेद करने की उसकी नीति उसके पूर्वजों (अकबर) से इतर थी जिस कारण उसने अनेक मन्दिरों का विनाश किया।

अतः अरस्तु एवं प्लेटो के Virtue Ethics के अनुसार भी व्यक्ति की भावना matter करती है फिर चाहे उसका परिणाम कुछ भी हो।

3/10

→ आपकी विषयवस्तु की समझ अच्छी है।

→ उत्तर भी ठीक है।

→ प्रयास ठीक है।

→ निरन्तर अभ्यास से उत्तर प्रभावी बनाएं।

प्रश्न संख्या (Question No.)	U.P.S.C.	इस भाग में कुछ न लिखें (Don't write anything in this part)

उत्तर 5. (ख)

कार्यस्थल पर भावनात्मक बुद्धिमत्ता -

अपने कार्य स्थल पर कार्य को पूरा करने में अपने सहयोगियों की सोच को अपने साथ मिलाकर अथवा उनकी सोच से तारतम्य बिठाकर परिणाम की तरफ उन्मुख होना ही भावनात्मक बुद्धिमत्ता है।

भूमिका ठीक है।

पारस्परिक सम्बन्धों पर प्रभाव -

- लैंगिक संवेदनशीलता में वृद्धि
- आपसी विश्वास एवं सहानुभूति में वृद्धि
- कार्यस्थल से बाहर सामाजिक जीवन में रिश्तों का निर्माण

समूह गत्यात्मकता पर प्रभाव -

- कनिष्ठों एवं वरिष्ठों के मध्य मैत्रीपूर्ण व्यवहार
- कार्य विभाजन एवं विशेषीकरण
- कार्य की पूर्णता एवं गुणवत्तापरकता का श्रेय सम्पूर्ण टीम को
- टीम वर्क की भावना में वृद्धि → नेतृत्व क्षमता का विकास

Eg. IAS हर्षिका सिंह द्वारा 25000+ स्वयंसेवकों के सहयोग से कार्यात्मक साक्षरता में 100% परिवर्तन

सहकार्यता पर प्रभाव -

- अन्तर-विश्वास में वृद्धि - अनुसंधान, आँकड़ों एवं गणना पर
- समन्वय में वृद्धि - समयबद्धता
- नैतिक गुणों का विकास

संघर्ष समाधान पर प्रभाव -

- सभी के विचारों को सुनना
- उचित एवं प्रभावी समाधान की सुनिश्चितता
- आपसी मतभेदों का भी निवारण सम्भव

Eg. गाँधीजी द्वारा EI का उपयोग करके ही चम्पारण सत्याग्रह, खेड़ा सत्याग्रह एवं अहमदाबाद मिल स्ट्राइक के दौरान लोगों एवं कामगारों को उनके अधिकार दिलाये गये।

अतः भावनात्मक बुद्धिमत्ता का उपयोग मैत्रीपूर्ण सम्बन्ध, टीम वर्क से लेकर संघर्ष समाधान तक में किया जा सकता है।

4.5/10

Good

→ आपकी विषय वस्तु की समझ अच्छी है।
→ उत्तर भी अच्छा लिखा है।
→ प्रयास ठीक है।
→ निरंतर अभ्यास से उत्तर प्रभावी बनाएं।

उत्तर 4 (b)

कॉरपोरेट गवर्नेंस :-

शासन अथवा अपने कार्य में भी नैतिकता का उपयोग करना ही कॉरपोरेट गवर्नेंस है।

(और अच्छे से परिभाषित करें।)

अनैतिक व्यवहार को रोकना -

- सरकारी वस्तुओं का निजी लाभ लेने से रोकना

Eg. M. विश्वेश्वरैया द्वारा अपने साथ 2 मोमबत्ती रखना — सरकारी कार्य / निजी कार्य

- नागरिक केन्द्रित शासन को प्रोत्साहन -

Eg. रामायण में लक्ष्मण के मूर्छित होने पर वैद्य सुषेन (लंका निवासी) द्वारा औषधि देना

- भ्रष्टाचार को रोकने में -

Eg. मनुष्य में नैतिकता का प्रचार

हितधारकों के हितों की रक्षा -

- निगम के लाभ के लिए कार्य करना - गवर्नेंस एवं नैतिकता द्वारा
- हितधारकों के विश्वास में वृद्धि

(निगमित शासन के संबंध में नैतिक मुद्दे
- हितों का विरोध
- शक्तियों का केंद्रीकरण
- कमजोर ...
- स्वामित्व एवं प्रबंधन का विभाजन)

प्रश्न संख्या (Question No.)

U.P.S.C.

इस भाग में कुछ न लिखें (Don't write anything in this part)

भारत में निगमित शासन के समक्ष मुख्य मुद्दे -

- भ्रष्टाचार
- संसाधनों पर अत्यधिक केन्द्रीकरण
- नैतिकता का अभाव
- निजी हित के लिए उपयोग
- पर्यावरण की अनदेखी
- निजी व सार्वजनिक कार्यों में विभेद नहीं
- नागरिकों के प्रति अनुचित व्यवहार
- जवाबदेहिता की अभाव
- समावेशी व सतत विकास नहीं
- उचित निगरानी का अभाव
- आचरण संहिता का वैधानिक प्रभाव नहीं
- राजनैतिक - प्रशासनिक - व्यावसायिक गठजोड़

अतः निगमित शासन, सुशासन का पहला सोपान है किन्तु इसके लिए हमें आने वाली चुनौतियों से मुकाबला करना पड़ेगा।

निगमित शासन में सुधार के तरीके

उल्लेख स्पष्ट करें

3/10

→ विषय वस्तु की समझ अच्छी है

→ उत्तर को प्रभावी बनायें

→ शब्दों में प्रश्न की माँग के अनुरूप व्याख्यात्मक लिखें।

प्रश्न संख्या (Question No.)

U.P.S.C.

इस भाग में कुछ न लिखें (Don't write anything in this part)

उत्तर 5 (a)

नैतिक दुविधा -

उपलब्ध परिस्थिति में उपलब्ध विकल्पों में से किसी एक को चुनने की दुविधा जिनमें से कोई भी एक चुनाव सही नहीं होता। यह मनुष्य के विवेक एवं परिस्थितियों पर निर्भर करता है कि वह किस प्रकार निर्णय ले।

भूमिका ठीक है।

सार्वजनिक संस्थानों के नैतिक दुविधा -

1) निजी हित बनाम सार्वजनिक हित -

Eg. श्री शास्त्री जी द्वारा अपने निजी कार्यों के लिए सरकारी गाड़ी का इस्तेमाल नहीं करना

2) पर्यावरण बनाम विकास

Eg. विकासशील गतिविधियों (सड़क निर्माण, डैम निर्माण) आदि के नाम पर पर्यावरण का विनाश करना।

सार्वजनिक संस्थानों में नैतिक चिंताएं -
→ प्रशासनिक विवेक
→ भ्रष्टाचार

प्रश्न संख्या (Question No.)

U.P.S.C.

इस भाग में न लिखें (Don't write anything in this part)

→ सुभाषितों से, गोपनीयता;
→ भाई-भतीजावाद - जानकारी रिसाव

3) भाई-भतीजावाद -

Eg. अपने निकट सम्बन्धी को किसी तरह का लाभ पहुँचाना अबकि श्रेष्ठतर को हानि होना।

4) निष्पक्षता -

Eg. राजनीतिक पार्टियों को चुनाव प्रचार में सहायता करना अथवा किसी अन्य दल से अधिक संसाधन, समय उपलब्ध करवाना

5) व्यक्तिनिष्ठा बनाम वस्तुनिष्ठता -

- सिविल सेवक को सदैव वस्तुनिष्ठ रहना चाहिए। किसी व्यक्ति विशेष के लिए अपने मूल्यों से समझौता उचित नहीं है।

अतः नैतिक दुविधा की स्थिति में अंतरात्मा, उपलब्ध नियम, कानून, नीतियों के आधार पर निर्णय लेना अपेक्षित है।

3/10

→ आपकी विषय वस्तु की समझ अच्छी है।
→ उत्तर में और सुधार की आवश्यकता है।
→ प्रभावी उत्तर लेखन हेतु
→ निरंतर अभ्यास करें। प्रभावी बनाएं।
→ सुझाव पर अमल करें।

Q 5 (b)

नैतिक प्रशासन –

प्रशासन में नैतिकता अपनाना

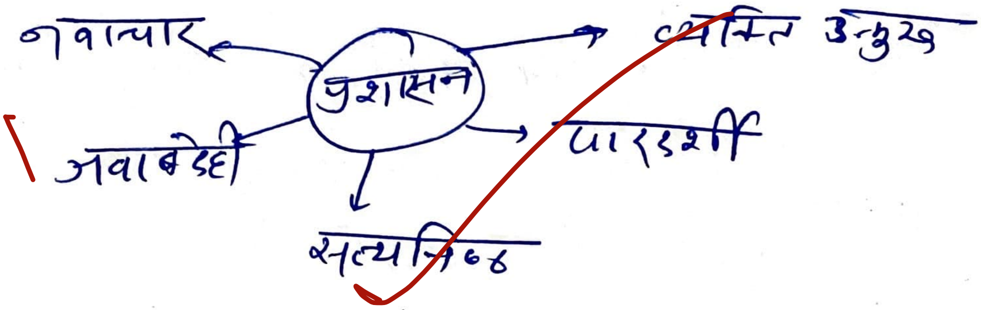

और स्पष्टता से बताएं |

वस्तुनिष्ठता एवं निष्ठा –

वस्तुनिष्ठता से तात्पर्य किन्हीं शोधों एवं आँकड़ों के आधार पर निर्णय लेने से है न कि व्यक्ति के अनुसार |

निष्कर्ष को बताएं |

निजी क्षेत्र की नैतिक विकृतियां –

- लैंगिक भेदभाव एवं शोषण
- बिना पूर्व सूचना के निष्कासन
- कार्यस्थल पर असंवेदनशीलता
- प्रोन्नति, वेतन वृद्धि आदि में भेदभाव
- समय के अनुरूप कार्य नहीं कराना

प्रश्न संख्या
(Question No.)

U.P.S.C.

इस भाग में न लिखें
(Don't write anything in this part)

सहानुभूति एवं करुणा –

सहानुभूति से तात्पर्य किसी व्यक्ति अथवा समाज की पीड़ा को समझना एवं उसे समाप्त करने का प्रयास करना।

Eg. सोनू सूद द्वारा COVID-19 में किये गये प्रयास

करुणा से आशय किसी पीड़ा अथवा संकट का समूल विनाश करने के लिये प्रतिबद्ध होना एवं उसी में स्वयं को लीन कर लेना।

Eg. मदर टेरेसा
महात्मा गाँधी

3/10

RTI Act 2005 –

व्यक्ति / नागरिकों को सूचना प्रदान करने हेतु

RTI:
- सुधार की संभावना
- पारदर्शिता
- जवाबदेहिता
- जनता द्वारा नियंत्रण
- निगरानी
- ई-गवर्नेंस

(सेवा की) आपूर्ति

PIO की नियुक्ति

→ आपकी विषय वस्तु की समझ अच्छी है।
→ उत्तर भी ठीक लिखा है।
→ प्रयास ठीक है।
→ निरंतर अभ्यास से उत्तर प्रभावी बनाएं।
→ तथ्यों को जोड़कर उत्तर दें।

प्रश्न संख्या (Question No.)

U.P.S.C.

इस भाग में कुछ न लिखें (Don't write anything in this part)

प्र०1 6. (a)

ईमानदारी -

ईमानदारी से आशय सत्यनिष्ठ होने से है जब आपको कोई देख भी नहीं रहा हो। यह Honesty से एक कदम आगे है।

उदाहरण ठीक है।

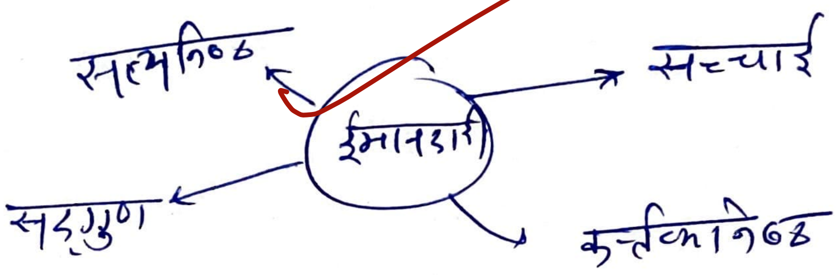

उद्देश्य एवं महत्व -

1) संसाधनों का समुचित उपयोग -

शासन के निम्नतम संसाधनों को अधिकतम लोगों तक पहुँचाना उद्देश्य होता है जिसे ईमानदारी द्वारा सुनिश्चित किया जा सकता है। Eg. IAS शालिनी अग्रवाल द्वारा जल संरक्षण

2) विश्वसनीयता में वृद्धि -

शासन के ईमानदारी से लोगों द्वारा विश्वास में वृद्धि होती है।

Eg. IPS शिवदीप लाण्डे अपने कार्य के पूर्ण ईमानदार एवं सत्यनिष्ठता की मिसाल है।

प्रश्न संख्या (Question No.)

U.P.S.C.

इस भाग में कुछ न लिखें (Don't write anything in this part)

3) सभी व्यक्तियों का समान विकास -

शासन की अन्तत: जिम्मेदारी सुदूर लोगों तक विकास की किरण पहुँचाना है। ईमानदार सिविल सेवक अपने कार्य के प्रति सत्यनिष्ठ रहकर सभी के लिए समान विकास सुनिश्चित करता है।

ईमानदारी सुनिश्चित करने के उपाय -

- व्हिसल ब्लोअर एक्ट को अधिक प्रभावी बनाना
- भ्रष्टाचार निरोधक अधि. 1988 का प्रभावी क्रियान्वयन
- प्रशिक्षण कार्यक्रम eg. कर्मयोगी
- नैतिक व आचार संहिता का विकास
- संवैधानिक मूल्यों को सिविल सेवकों में पहुँचाना

भरत द्वारा श्रीराम की चरण-पादुकाओं के सहारे राज्य में राज करना ईमानदारी का ही उदाहरण है।

4.5/10

→ आपकी विषय वस्तु की समझ उत्तम है।
→ उत्तर भी अच्छा है।
→ प्रयास ठीक है।
→ निरन्तर अभ्यास से उत्तर प्रभावी बनाएं।

प्रश्न संख्या (Question No.)

U.P.S.C.

इस भाग में कुछ न लिखें (Don't write anything in this part)

Q 6. (b)

भावनात्मक बुद्धिमत्ता का महत्व -

भावनात्मक बुद्धिमत्ता से आशय दूसरों के विचारों के साथ अपने विचारों का समन्वय करके एक उचित एवं प्रभावी निष्कर्ष / परिणाम की प्राप्ति करना है।

1) अपने अधीनस्थों एवं वरिष्ठों के साथ उचित सहभागिता एवं समन्वय स्थापित करना

2) लोक सेवाओं का सभी लोगों तक उचित तरीके से पहुँचाना

3) विश्वसनीयता में वृद्धि

4) जनभागीदारी सुनिश्चित करना

5) परिणामों की गुणवत्ता में वृद्धि एवं समयबद्धता

6) आत्मसंतुष्टि एवं करुणा के भाव का विकास

2.5/10

प्रश्न संख्या (Question No.)

U.P.S.C.

इस भाग में कुछ न लिखें (Don't write anything in this part)

उत्तर 7: दिया गया उदाहरण अरावली पहाड़ियों के अवैध खनन से सम्बन्धित है जहाँ पर्यावरण के नुकसान का मुद्दा दृष्टिगोचर होता है।

उपयुक्त उत्तर ठीक है।

(a)

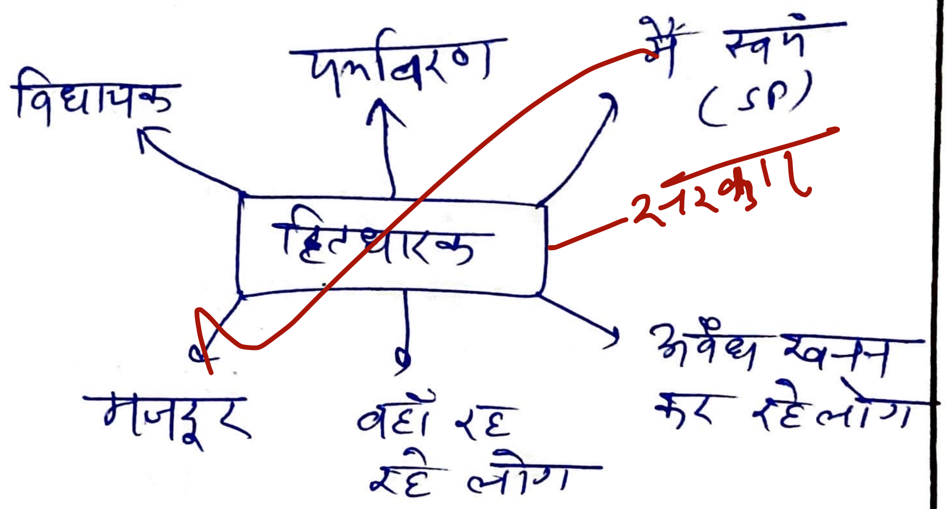

(b) नैतिक दुविधाएं –

1) पर्यावरण बनाम लोगों की आजीविका

2) कार्य करने की इच्छा बनाम जीवन को खतरा

3) व्यावसायिक / सिविल सेवकों के लिए निर्देश

4) उपलब्ध कानून बनाम निजी हित

प्रश्न संख्या (Question No.)

U.P.S.C.

इस भाग में कुछ न लिखें (Don't write anything in this part)

5) राजनैतिक गठजोड़

6) लोगों / जीवों का स्वास्थ्य बनाम कुछ सीमा तक वहाँ के लोगों की आजीविका

C) <u>उठाये गये कदम</u> -

① <u>कार्य की निरन्तरता</u> -

पक्ष	विपक्ष
- लोगों की आजीविका पर प्रभाव नहीं	- पर्यावरण का नुकसान
- मेरे विरुद्ध कोई हिंसा नहीं	- अनैतिक व गैर-कानूनी कार्य में सहभागी

② <u>कार्य को तुरन्त रोक दिया जाने का आदेश</u>

पक्ष	विपक्ष
- कानूनी व नैतिक कार्य	- स्थानान्तरण की आशंका
- आत्मसंतुष्टि	- मेरे विरुद्ध हिंसा व जान जाने की भी सम्भावना
- अन्तरात्मा की आवाज	

3) अवैध खनन कर रहे लोगों को समझाना, पुनर्वास की व्यवस्था –

पक्ष	विपक्ष
– अवैध खनन पर रोक – आजीविका निरन्तर	– अनुनय-विनय आसान नहीं – समय अधिक लगेगा

4) वरिष्ठों तक मुद्दे को पहुँचाना + अनुनय विनय –

पक्ष	विपक्ष
– उचित समाधान सम्भव – गैर कानूनी कृत्य में भागी नहीं	– वरिष्ठ एवं राजनीतिज्ञ का गठजोड़ की सम्भावना – स्थानान्तरण व हमला संभव

उपरोक्त उपलब्ध उपायों में से मैं 4th उपाय पर विचार करूँगा क्योंकि –

– वरिष्ठों तक मुद्दे को पहुँचाना कर्त्तव्य है।

प्रश्न संख्या
(Question No.)

U.P.S.C.

इस भाग में कुछ न लिखें
(Don't write anything in this part)

- लोगों की आजीविका की व्यवस्था करना राज्य का कर्तव्य है।
- अपनी जान भी बचानी है ताकि अन्य ऐसी परिस्थितियों एवं गैर कानूनी गतिविधियों को समाप्त किया जा सके।
- पर्यावरण का संरक्षण आवश्यक - मद्रास उच्च न्यायालय के अनुसार - प्रकृति माँ एक जीवित जीव है एवं जीवित रह सके ऐसा अधिकार है।

9.5/20

→ आपकी विषय वस्तु की समझ अच्छी है।
→ उत्तर भी ठीक है।
→ प्रयास ठीक है।
→ निरन्तर अभ्यास से उत्तर प्रभावी बनाएं।

प्रश्न संख्या (Question No.)

U.P.S.C.

इस भाग में न लिखें (Don't write anything in this part)

उत्तर 8.

प्रस्तुत उद्धरण कानून व्यवस्था की समस्या, साम्प्रदायिकता का फैलाव एवं फेक न्यूज जैसे गंभीर एवं परम्परागत एवं तकनीकी मुद्दों को अपने में समेटे हुए है।

शुरुआत ठीक है।

विभिन्न दृष्टिकोण –

1) गर्मी खबर के साथ आगे बढ़ूं –

पक्ष	विपक्ष
– गर्मी खबर सही है तो 7 वर्षीय बच्चे की जान बच सकती है।	– किसी विशेष समुदाय की सहायता का आरोप
– लोगों में विश्वास की संभावना	– हिंसा पैदा हो सकती है

विभिन्न दृष्टिकोण
→ उपयोगितावादी
→ अधिकार दृष्टिकोण
→ न्याय दृष्टिकोण
→ लोक कल्याण दृष्टिकोण
→ सद्गुण दृष्टिकोण

2) खबर को सत्यापित करने के बाद आगे बढ़ूं –

सत्य खबर ⟶ तत्काल एम्बुलेंस की व्यवस्था

और अच्छे से स्पष्ट करें।

प्रश्न संख्या (Question No.)

U.P.S.C.

इस भाग में कुछ न लिखें (Don't write anything in this part)

असत्य खबर → खबर देने वाले पर कार्यवाही

3) 'प्रभावित क्षेत्रों की मैपिंग करना एवं तकनीक के उपयोग द्वारा ऐसी चिंताओं को रोकना –

पक्ष	विपक्ष
- गहन क्षेत्रों के बारे में पता	- समय अधिक लगेगा
- लोगों को अलर्ट करना	- दंगाइयों को मालूम चलने पर दंगा भड़कना
- जानकारी से दंगाइयों पर काबू	- जानलेवा हमले

उपर्युक्त परिस्थितियों में मैं उक्त विकल्प का चुनाव करूँगा क्योंकि –

- लोगों की सुरक्षा अधिक महत्वपूर्ण
  J.S. मिल के उपयोगितावाद के अनुसार अधिकतम लोगों के सुख की सुनिश्चितता।

- फेक न्यूज पर रोक लगाने का प्रयास –

निलंबित कानून व्यवस्था सुनिश्चित करने में उपयोग करें

प्रश्न संख्या
(Question No.)

U.P.S.C.

इस भाग में न लिखें
(Don't write anything in this part)

इन्टरनेट सर्विस प्रोवाइडर एवं मोबाइल नेटवर्क कम्पनियों से सहायता करने का अनुरोध ताकि फेक न्यूज ना फैले

- जन सहभागिता - इससे कानून व्यवस्था निर्माण में सहायता मिलेगी एवं भगदड़ नहीं मचेगी।

- सभी को समझाने का प्रयास
  स्वा. विवेकानंद का एका अद्वैत
  वि. वेदान्त - सभी जीव एक है।

- अन्ततः हिंसा विकल्प नहीं हो सकता। शांति ही अन्तिम प्रयास होना चाहिए। गांधीजी के अनुसार भी शांति आवश्यक है।

5/10

विषय की समझ और कार्य उत्तर व्यक्त करने का प्रयास करें
उत्तर एवं सर्वोत्तम के लिए

प्रश्न संख्या
(Question No.)

U.P.S.C.

इस भाग में कुछ न लिखें
(Don't write anything in this part)

उ.(9) दिया गया केस अध्ययन दो मित्रों एवं उनके मध्य एक EWS प्रमाणपत्र की वैधता एवं उसे प्राप्त करने के लिए किए गए अवैधानिक प्रयास व तरीकों से सम्बन्धित है।

A) शामिल नैतिक दुविधा -

- वैधानिकता व अवैधानिकता
- मित्रता एवं गैर-कानूनी कृत्य
- प्रतिस्पर्धा एवं स्वयं पर विश्वास
- उचित एवं अनुचित
- सत्यनिष्ठा बनाम चुप्पी

B) उपलब्ध विकल्प -

1. रमन की शिकायत करना -

पक्ष	विपक्ष
- कानून का शासन	- मित्रता की समाप्ति
- नैतिक कर्तव्य	- रमन को अच्छे कॉलेज में प्रवेश नहीं
- आत्म संतुष्टि	

2) रमन की शिकायत ना करना किन्तु स्वयं EWS प्रमाणपत्र गैरकानूनी तरीके से नहीं बनवाना –

पक्ष	विपक्ष
– मित्रता बनी रहेगी – रमन को अच्छे कॉलेज में प्रवेश – रमन द्वारा की गयी सहायता का ऋण उतर जायेगा	– कानून उल्लंघन में सहभागी – दीर्घकालिक में उचित नहीं – गलत होते हुए भी अनदेखी Eg. गलत करने वाला व गलत देखने वाला समान सहभागी है।

3) स्वयं भी गैर-कानूनी तरीके से EWS प्रमाण पत्र बनवाना –

पक्ष	विपक्ष
– मुझे भी अच्छे कॉलेज से BCA की पढ़ाई के अवसर की संभावना – उल्लंघनकर्ता के रूप में पहचान (विधि के शासन के खिलाफ)	– दीर्घकाल में पता लग ही जाएगा – कॉलेज द्वारा कार्यवाही – सत्यनिष्ठा एवं ईमानदारी जैसे गुणों का अभाव

प्रश्न संख्या (Question No.)	U.P.S.C.	इस भाग में कुछ न लिखें (Don't write anything in this part)

b) रमन को EWS प्रमाणपत्र का उपयोग नहीं करने के लिए मनाना एवं स्वयं भी नहीं बनवाना -

पक्ष	विपक्ष
- अनुनय - विनय	- कॉलेज (अच्छे) में प्रवेश नहीं मिले
- कानून उल्लंघन में सहभागी नहीं	- रमन का फैसला परिवर्तित नहीं हो
- मित्रता बनी रहेगी	
- मेहनत द्वारा कॉलेज में प्रवेश संभव	
- परिश्रम, सत्यनिष्ठा में वृद्धि	

10/20

c) मैं 4th विकल्प चुनुँगा क्योंकि -

- रमन, रोहन का अच्छा दोस्त है।
- रमन को गलती सुधारने का मौका मिलना चाहिए।

Eg. गाँधीजी के अनुसार हर अपराधी को अपनी गलती सुधारने का मौका मिलना चाहिए।

~~एक~~ अच्छा मित्र वही है जो अपने मित्र को गलत रास्ते पर जाने से रोके।

प्रयास ठीक है

→ आपकी विषय वस्तु की समझ अच्छी है
→ उत्तर भी ठीक लिखा है।
→ प्रयास ठीक है। पर
→ निरन्तर अभ्यास से उत्तर प्रभावी बनाएं।

प्रश्न संख्या (Question No.)

U.P.S.C.

इस भाग में कुछ न लिखें (Don't write anything in this part)

उ॰ (10) दिया गया केस अध्ययन एक केंद्रीय पुल की संरचनात्मक विफलता से सम्बन्धित है जहाँ नैतिकता का उल्लंघन हुआ है एवं लोगों की जान को खतरा बना हुआ है।

शुरुआत ठीक है।

नैतिक मुद्दे –

1) स्वहित बनाम सार्वजनिक हित –
2) पर्यावरण बनाम विकास
3) राजनीतिक हस्तक्षेप का मुद्दे
4) संरचनात्मक विफलता का मुद्दा
5) नैतिकता का उल्लंघन
6) रवि का जीवन बनाम पूर्वी राज्य के लोगों का जीवन
7) लोगों के कर का पैसा बर्बाद होना

रवि को आदर्श रूप में करने के लिए उपलब्ध उपाय –

1) रवि को अपनी व्यावसायिक नैतिकता पर अडिग रहना चाहिए।

2) विधायक एवं उसके भाई को समझाना।

3) परियोजना की कम्पनी के कर्मचारियों तक बात पहुँचाना एवं उन्हें अपने पक्ष में करने का प्रयास करना

4) विभिन्न सामाजिक संस्थाओं, NGO, जनभागीदारी आदि की सहायता लेना

5) सार्वजनिक संस्थाओं एवं अधिकारियों तक बात पहुँचाना एवं उनसे सहयोग की अपेक्षा करना

6) अपनी रिपोर्ट निष्पक्ष तरीके से तैयार करना एवं उचित अधिकारी तक प्रेषित करना।

पक्ष	विपक्ष
- लोगों के कर का पैसा सदुपयोग	- जान को खतरा
- अच्छा पुल निर्माण	- पद से हटाना अथवा स्थानान्तरण
- लोगों की जान बचेगी	- निजी हितों का प्रलोभन
- भ्रष्टाचार में सहभागी नहीं	

प्रश्न संख्या (Question No.)

U.P.S.C.

इस भाग में कुछ न लिखें (Don't write anything in this part)

त्रुटियों की स्वीकार्यता –

1) चूँकि त्रुटियाँ, मानव द्वारा होना स्वाभाविक है। → स्वीकार्य
↓
सुधार की आवश्यकता
↓
उचित प्रबन्धन एवं आगे की सम्भावना समाप्ति

2) जहाँ त्रुटियाँ मानव जीवन को हानि पहुँचायें वहाँ त्रुटियों को उचित समय पर सही करना आवश्यक है।

3) त्रुटियों पर पर्दा डालने से ज्यादा जरूरी है त्रुटियों को उजागर करना।

अतः त्रुटियों से सीखकर ही [illegible] आ सकता है एवं व्यक्ति को परफेक्ट होने की अपेक्षा सुधार की आवश्यकता हमेशा रहती है।

10/20

→ आपकी विषय वस्तु की समझ अच्छी है।
→ उत्तर भी ठीक लिखा है।
→ प्रयास ठीक रहा।
→ निरंतर अभ्यास से उत्तर प्रभावी बनाएं।

प्रश्न संख्या (Question No.)	U.P.S.C.	इस भाग में कुछ न लिखें (Don't write anything in this part)

8 (II)

भूमिका ठीक है।

उपरोक्त परिदृश्य एक बालिका पहलवान द्वारा कुश्ती का प्रशिक्षण लेने एवं उसके कोच द्वारा अन्य पहलवानों का यौन शोषण करने से सम्बन्धित है।

(a) हितधारक
- वंचित व शोषित वर्ग
- राधिका
- श्रुति
- कोच
- राधिका का परिवार
- समाज

(b) कार्यवाही की दिशा –

1) कोच की शिकायत

पक्ष	विपक्ष
- स्वयं को भविष्य के लिए सुरक्षित करना	- पहलवानों के भविष्य पर संकट
- यौन शोषण के विरुद्ध बोलना	- परिवार की मनोदशा

प्रश्न संख्या
(Question No.)

U.P.S.C.

इस भाग में कुछ न लिखें
(Don't write anything in this part)

2) यथास्थिति —

पक्ष	विपक्ष
- राधिका के पहलवानी कैरियर पर संकट नहीं	- कोच को और अधिक लड़कियों का शोषण करने का निमंत्रण
- पारिवारिक मनोदशा स्थिर	- राधिका की मानसिक स्थिति पर दबाव संभव
- राधिका द्वारा अन्य लड़कियों को बचाने का प्रयास	- राधिका का भी भविष्य में यौन शोषण संभव

3) अन्य लड़कियों के साथ मिलकर कोच के दुर्व्यवहार के बारे में शीर्ष नेतृत्व एवं अधिकारियों को बताना —

पक्ष	विपक्ष
- कोच की बदली संभव	- राजनीतिक गठजोड़ के कारण कोच पर आंच नहीं
- अधिकारियों द्वारा तुरन्त कार्यवाही	- पहलवानी पर संकट

प्रश्न संख्या (Question No.)

U.P.S.C.

इस भाग में कुछ न लिखें (Don't write anything in this part)

c) राधिका के लिए उपरोक्त मे से कुछ स्थिति/उपाय का चयन करना उपयुक्त रहेगा-

क्योंकि

- महिला शोषण और कानूनी महिलाओं को स्वयं के विरुद्ध शोषण की आवाज उठानी पड़ेगी
- समूह-भावना का विकास
- पहलवानी के लिए नये कोच की व्यवस्था संभव
- खेलों पर विश्वास बढ़ेगा।

थोड़ा और बेहतर उत्तर हो सकता है

→ आपकी विषय वस्तु की समझ अच्छी है

→ उत्तर भी ठीक लिखा है।

→ प्रयास ठीक है।

→ निरंतर अभ्यास से उत्तर प्रभावी बनाएं।

निष्कर्ष?

9/20

प्र 12

दिया गया केस अध्ययन सरकारी योजना MDM के अन्तर्गत भोजन के पाये गये जीव के बारे में है जिसमें एक खाना बनाने वाले की आजीविका पर संकट है तो दूसरी ओर विद्यार्थियों के स्वास्थ्य का सवाल।

शुरुआत ठीक है।

a)

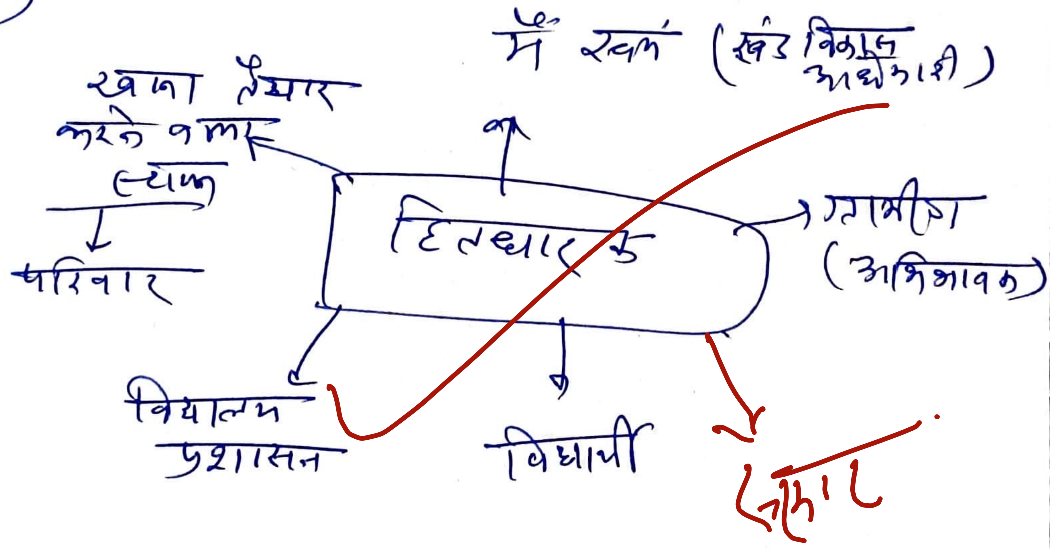

b) नैतिक मुद्दे -

1) खाना बनाने वाले की आजीविका का मुद्दा

2) विद्यालय प्रशासन की लापरवाही का मुद्दा

3) विद्यार्थियों के स्वास्थ्य का मुद्दा

4) अभिभावकों के आक्रोश का मुद्दा

5) मेरी समक्ष नैतिकता एवं कर्तव्यनिष्ठा के मुद्दे

c) मेरे द्वारा उठाये गए कदम -

1 - विद्यालय प्रशासन - प्रधानाध्यापक/प्रधानाचार्य को कारण बताओ नोटिस जारी करके उनकी जवाबदेहिता सुनिश्चित करना

2. खाना बनाने वाले को भविष्य के लिए लापरवाह ना रहने एवं स्वच्छ खाना बनाने को कहना अन्यथा अगली बार उसे नौकरी से निष्कासित किया जा सकता है।

प्रश्न संख्या (Question No.)

U.P.S.C.

इस भाग में कुछ न लिखें (Don't write anything in this part)

3) ग्रामीणों से शांति एवं सहयोग की अपील

4) विद्यार्थियों - जो बीमार हुए हैं - उचित स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाना एवं भविष्य में खाने की गुणवत्ता पर ध्यान रखने के लिए कहना

अतः उपरोक्त परिस्थिति में मैं समझ - बूझ के साथ निर्णय करूँगा ताकि सभी के साथ न्याय सुनिश्चित हो सके एवं बच्चों का स्वास्थ्य बना रहे क्योंकि 'बच्चे ही भविष्य का आधार है।'

9/20

→ आपकी विषय वस्तु की समझ अच्छी है।
→ उत्तर भी ठीक लिखा है।
→ प्रयास ठीक है।
→ निरंतर अभ्यास से उत्तर प्रभावी बनाएं।